राइजिंग इन्दौर

सच का सारथी

इंदौर, बुधवार, 11 मार्च 2026

वर्ष -13, अंक-10, पेज- 8, मूल्य 2 रूपए

जुड़िए हमसे... @risingindore.news www.risingindore.com और +91-731-4032200 पर

Inside
page 07

अभी तक बंगाली चौराहा से पलासिया तक के रूट का मामला है अटका

इंदौर में अटकी मेट्रो को उज्जैन - पीथमपुर चलाने की तैयारी

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

मेट्रो रेल इंदौर में तो अभी तक बराबर शुरू हो नहीं पाई है और इसे आसपास के दो शहर उज्जैन और पीथमपुर तक चलाने की तैयारी की जा रही है। अभी तक बंगाली चौराहा से पलासिया चौराहा तक के ट्रेन के ट्रैक का मामला अटका हुआ ही है। इंदौर में रेडिसन चौराहा तक ट्रेन को चलाने के लिए प्रशिक्षण टीम के आने का इंतजार किया जा रहा है।

रेडीसन चौराहे तक मेट्रो चलाने के लिए टीम के आने का चल रहा है इंतजार

इंदौर की मेट्रो ट्रेन अभी नाम के लिए गांधीनगर से चार पांच स्टेशन तक चल रही है। यह ट्रेन एसी चल रही है कि उसमें कोई यात्री नहीं जा रहे हैं। कुछ लोग शौक से घूमने के लिए जरूर जा रहे हैं। इसके अलावा इस ट्रेन का कोई मतलब नहीं निकल पा रहा है। इस ट्रेन को जल्द से जल्द रेडिसन होटल चौराहा तक चलाने की तैयारी है। मेट्रो रेल कंपनी के द्वारा इस तैयारी के तहत पूरी व्यवस्था को आकर दे दिया गया है। अब दिल्ली की टीम के द्वारा आकर जांच करने की औपचारिकता बची हुई है। जैसे ही यह जांच होती है और उसकी रिपोर्ट में ग्रीन सिग्नल मिलता है वैसे ही इंदौर के मेट्रो ट्रेन रेडिसन होटल चौराहा तक चलने लगेगी। जब यह ट्रेन इतनी चलने लगेगी तो फिर इसे कुछ यात्री भी मिलने लगेंगे। इसके साथ ही इस ट्रेन की उपयोगिता भी साबित होने लगेगी।

अभी तो इस ट्रेन का रेडिसन होटल चौराहा तक चलने का मामला भी रुक और अटका हुआ है। इसके बाद बंगाली चौराहा से लेकर पलासिया तक इस ट्रेन को अंडरग्राउंड रूप से लाने का फैसला पिछले दिनों आयोजित की गई उच्च स्तरीय बैठक में लिया जा चुका है। इस फैसले का क्रियान्वयन करने का काम भी अभी अधर में लटका हुआ है। पुराने प्रोजेक्ट के अनुसार इस क्षेत्र में एलिवेटेड रूप से मेट्रो ट्रेन का संचालन किया जाना था। इस तरह से संचालन करने पर बड़ी संख्या में दुकान और मकान टूटने की स्थिति बन रही है। ऐसे में नागरिकों की मांग पर राज्य सरकार के द्वारा इस क्षेत्र में मेट्रो ट्रेन को अंडरग्राउंड चलाने का फैसला लिया गया है।

अब इस फैसले की क्रियान्वयन के लिए नए सिरे से योजना तैयार की जाना है। इसके साथ ही इस कार्य के अलग से टेंडर जारी करना है और कंपनी का चयन कर उन्हें काम सौपना है। जब यह सब कुछ हो जाएगा उसके बाद जाकर इस बेल्ट में मेट्रो का काम शुरू हो सकेगा। यह सभी कुछ अभी कागज पर ही अटका हुआ है। इसी बीच मेट्रो ट्रेन को इंदौर से उज्जैन और पीथमपुर तक चलने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए इस रूट पर सर्वे करने के साथ ही डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने का काम शुरू हो गया है। अब यह तय किया गया है कि यह मेट्रो महू होते हुए पीथमपुर जाएगी। ताकि इस मेट्रो को और ज्यादा सवारी मिल सकेगी। वैसे यह तो पहले ही स्पष्ट हो चुका है कि सी हस्त के आयोजन के पूर्व इंदौर से उज्जैन तक मेट्रो ट्रेन का संचालन कर पाना संभव नहीं हो पाएगा।

मेट्रो रेल का इंदौर में सितंबर 2023 में ट्रैवल किया गया था प्रोग्राम उसे समय पर ही इंदौर से उज्जैन और पीथमपुर तक मेट्रो ट्रेन को चलाने की घोषणा की गई थी लेकिन अभी तक इसकी डीपीआर नहीं बन सकी है। इस ट्रेन के संचालन के लिए डीएमआरसी को सर्वे का काम सोपा गया है। इसके लिए प्लानिंग में कई बार संशोधन किए गए। अब जो नए रूट पर मेट्रो ट्रेन चलाने की कोशिश की जा रही है वह रूट 90 किलोमीटर से ज्यादा का है। अधिकारियों का कहना है कि मेट्रो को इंदौर और उज्जैन के शहरी इलाके में अंडरग्राउंड रूप से चलने पर सहमति बनी है। लवकुश चौराहे से बड़ा गणपति होते हुए राजेंद्र नगर तक भी मेट्रो को अंडरग्राउंड ही चलाया जाएगा फोटोग्राफ राजेंद्र नगर से पीथमपुर की ओर मेट्रो रेल को एलिवेटेड कॉरिडोर के रूप में ले जाया जाएगा।

पहले यह तय किया गया था कि सिंहस्थ में भाग लेने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को मेट्रो एक बड़ी सुविधा के रूप में मिलेगी। इंदौर आने के बाद यह श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के उज्जैन तक चले जाएंगे। अभी तक डीपीआर तैयार नहीं होने के कारण यह मामला अटक गया है। अधिकारियों का कहना है कि डीपीआर तैयार होने के बाद टेंडर करने और वर्क आर्डर देने में 1 साल से अधिक का समय लगता है।

सफाई मित्रों ने फिर मनाया स्पेशल डे

सफाई की परीक्षा में फिर सफल हुए हमारे सफाई मित्र

चेहरा साफ होने से पहले क्लीन हो गईं कीचड युक्त सडके

■ गेर रूट की सड़कों की ऐसी हालत थी... छोटी-छोटी प्लास्टिक की थैलियां

■ पानी की बोतले ■ फटे कपड़े ■ पानी और गुलालों का कीचड़ ■ टूटी फूटी चप्पले

राइजिंग इन्दौर
■ विपिन नीमा

इंदौर। सफाई मित्रों के लिए रंग पंचमी का त्यौहार स्पेशल डे के रूप में आता है, इस दिन उन्हें एक बड़ी और कठिन परीक्षा से गुजरना पड़ता है। शहर के पश्चिम क्षेत्र की सड़कें रंगो के कीचड़ से सनी रहती है। जब सारी गैरें अपने-अपने ठिकानों पर पहुंच जाती है उसके बाद सड़कों की सफाई के लिए सफाई मित्रों की परीक्षा शुरू होती है। नगर निगम द्वारा सफाई के सारे उपकरण उपलब्ध कराने के साथ सफाई मित्र की पूरी टीम सड़कों की ऐसी सफाई करती है कि पता ही नहीं चलता कि कुछ समय पहले तक यहां की सड़कें रंगों के कीचड़ों से भरी हुई थी। घर पहुंच कर भले ही आपके चेहरे का रंग नहीं उतरा हो, लेकिन मात्र 2 घंटे की मेहनत में सफाई मित्र जरूर सड़कों से रंग उतार देते हैं।

इंदौर के सफाई मित्रों की यही तो सबसे बड़ी खासियत है की वे सफाई के मामले में किसी तरह का कंप्रोमाइज नहीं करते हैं। इसी वजह से इंदौर हर साल स्वच्छता का बादशाह बनता है। शहर की सड़कों को चमकाने वाले सफाई मित्रों को बधाई, जिन्होंने हर साल की तरह इस बार भी अपना रंग पंचमी स्पेशल डे मान सम्मान के साथ मनाया।

रात को भी राजबाड़ा पर मना जीत का जश्न

पश्चिम क्षेत्र में ऐसे बनती है गैरों की पूरी रिंग

रंग पंचमी पर शहर में होली का अलग ही माहौल रहता है। शहर के अलग-अलग हिस्सों से रंगारंग गैरें निकलती है। वैसे रंगारंग गैरों के जो मुख्य रूट रहता है उनमें टोरी कॉर्नर, मल्हारगंज, गोराकुंड, खजूरी बाजार, राजवाड़ा, गोपाल मंदिर, पिपली बाजार, बड़ा सराफा, छोटा सराफा, नरसिंह बाजार, इतवारिया बाजार सीतला माता बाजार है, जो गैरों की पूरी रिंग बनती है। इन रुटों से गुजरती हुई गैरें एक के पीछे एक आकर राजवाड़ा पर मिलती है। यहां पर हजारों उत्सवी प्रेमी गैरों का आनंद लेते हैं। उपरोक्त सारे रूट खचाखच भरे रहते हैं। गैरों में तरह-तरह के गुलाल और पानी का खूब प्रयोग होता है। गैरों में निगम के पानी के टैंकर साथ में चलते हैं ताकि गैरों में पानी की कमी ना हो।

प्लास्टिक की थेलियां और पानी की बोतल खूब चली

एक समय था जब गैरों पर रंग के गुब्बारे बहुत फेंके जाते थे, लेकिन गुब्बारों का चलन खत्म होने के बाद प्लास्टिक की छोटी-छोटी थेलियों ने गुब्बारे का स्थान ले लिया। रंगपंचमी की गैर निकलते ही भारी भीड़ के बीच और हुड़दंगबाजी शुरू हो जाती है। गुलाल की बजाय छोटी-छोटी प्लास्टिक की थैलियां पानी भर के लोगों पर फेंकी गई, तो दूसरी और पानी की बोतलों का भी खूब इस्तेमाल हुआ। पूरा गैर रूट प्लास्टिक की थैलियों, पानी की बोतलों, फटे कपड़ों, टूटी-फूटी चप्पलों और रंग गुलाल के कीचड़ से सना हुआ था। हुड़दंगबाज चलती गैर में प्लास्टिक की थैलियों में कीचड़ का पानी भरकर लोगों पर फेंक रहे थे। यह सिलसिला आखिर समय तक चलता रहा।

गैरों में लगे टीम इंडिया की जीत के नारे

सुबह से लेकर शाम तक गैरों की मस्ती लेने के बाद शाम 6.00 बजते ही लोगों ने अपनी थकान टीवी के सामने में मैच देखकर उतारी। शाम 6.00 बजे से टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरू हुआ। सुबह से ही लोगों ने गैर में क्रिकेट का माहौल बना दिया था। कई लोग तिरंगा लेकर गैर में शामिल हुए थे। लोगों ने जीतेगा इंडिया... के खूब नारे लगाए। आखिरकार रात में फिर टीम इंडिया ने इंदौरियों को राजबाड़ा पर इकट्ठे होकर जश्न मनाने का मौका दे दिया। देर रात तक राजबाड़ा पर जीत का जश्न मनता रहा।

भागीरथपुरा दूषित जल कांड की सीबीआई जांच की मांग

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर। भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई 36 मौतों के मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए जनहित याचिका दायर हुई है। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ में शुक्रवार को याचिका सुनवाई के लिए पहुंची। कोर्ट ने विस्तार से बहस के लिए 16 मार्च की तारीख तय की है। याचिका अभिभाषक पुनीत शर्मा की ओर से वकील अनिल ओझा ने लगाई।

एफआईआर तक दर्ज नहीं

कहा है, दूषित पानी से 36 लोगों की जान चली गई, पर किसी जिम्मेदार पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। अफसरों को बचने का पूरा मौका दिया गया। सिर्फ अफसरों को पद से हटा दिया। उन पर क्रिमिनल केस दर्ज कर जांच होनी चाहिए।

सरकार को बनाया पार्टी

- **जानबूझकर टेंडर होने के बाद फाइलें दबाई गईं। यह षड्यंत्र के तहत होता नजर आ रहा है। याचिका में तत्कालीन निगमायुक्त दिलीप यादव को नामजद, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य सरकार समेत निगमायुक्त को भी पार्टी बनाया गया है।**
- दिल्ली के उपकार सिनेमा हॉल अग्निकांड का उदाहरण भी दिया गया। अग्निकांड में लोगों की जान जाने पर अफसरों पर एफआईआर दर्ज कर जांच की गई थी

प्राधिकरण बनाएगा धार रोड का फ्लाय ओवर ब्रिज

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा धार रोड पर फ्लाईओवर ब्रिज बनाया जाएगा। इस फ्लाईओवर ब्रिज की लागत 40 करोड रुपए है। इस ब्रिज के निर्माण के प्रस्ताव को प्राधिकरण के संचालक मंडल की अगली बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

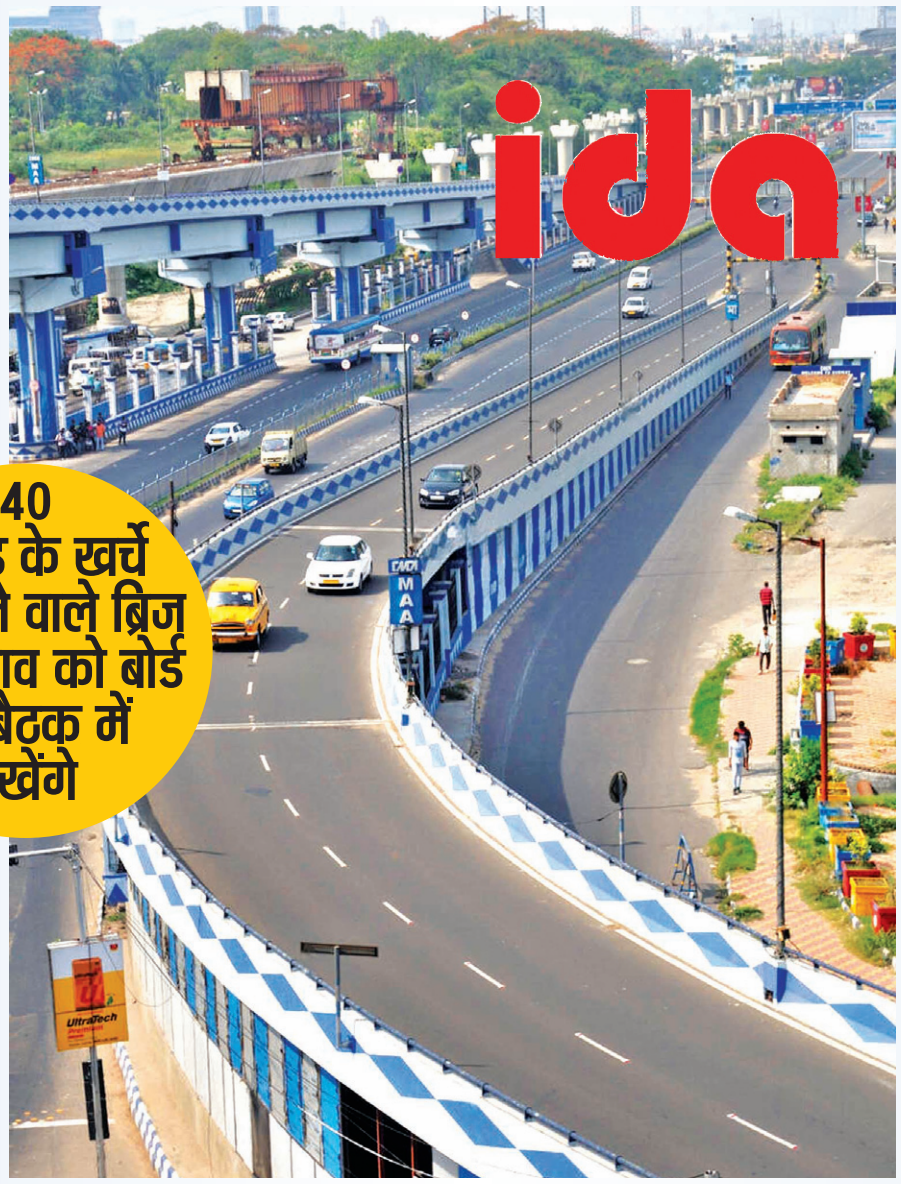

40 करोड़ के खर्चे से बनने वाले ब्रिज के प्रस्ताव को बोर्ड की बैठक में रखेंगे

सालभर पहले इंदौर विकास प्राधिकरण ने 11 प्रमुख चौराहों पर फ्लायओवर के निर्माण का फिजिबिलिटी सर्वे करवाया था, जिसमें चंदन नगर -धार रोड फ्लायओवर भी शामिल रहा। पिछले दिनों चंदन नगर कालानी नगर को जोड़ने वाली 18 मीटर चौड़ी रोड को भी मास्टर प्लान में शामिल कर लिया है, जिसका निर्माण लगभग 20 करोड़ रुपए की राशि से निगम करवा रहा है। दूसरी तरफ अब चंदन नगर के सिक्स लेन फ्लायओवर का निर्माण प्राधिकरण करवाएगा। जिस पर 40 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होगी और अभी हफ्तेभर बाद होने वाली बोर्ड बैठक में गैर योजना मद से बनने वाले इस फ्लायओवर के निर्माण का प्रस्ताव रखा जाएगा। गत दिवस विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी प्राधिकरण दफ्तर पहुंचे थे।

विजयवर्गीय ने प्राधिकरण सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े सहित अन्य अधिकारियों के साथ विभिन्न प्रोजेक्टों, टीपीएस योजनाओं के साथ-साथ बड़ा गणपति फ्लायओवर में आ रही बाधाओं को दूर करने के संबंध में जानकारी ली। दरअसल, बड़ा गणपति क्षेत्र में मेट्रो का भी अंडरग्राउंड स्टेशन बनना है और नर्मदा के साथ-साथ ड्रेनेज की विशाल लाइन की शिफ्टिंग भी होना है। प्राधिकरण द्वारा यहां पर फ्लायओवर निर्मित किया जाना है, जिसके लिए लाइनों की शिफ्टिंग और अन्य यूटिलिटी कार्यों के लिए 11 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्राधिकरण द्वारा निगम को सौंपी जाएगी, जिसमें से ढाई करोड़ रुपए से अधिक दिए भी जा चुके हैं। मगर लाइन शिफ्टिंग तक ना तो फ्लायओवर का और ना ही मेट्रो के अंडरग्राउंड स्टेशन का काम शुरू हो सकता है। चूंकि यह मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में ही आता है, लिहाजा विजयवर्गीय इस मामले में आने वाली सभी बाधाओं पर चर्चा के लिए पहुंचे, जिसमें निगमायुक्त क्षितिज सिंघल और मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी अजय शर्मा श्री राजपूत भी मौजूद रहे।

बैठक में तय किया गया कि फ्लायओवर निर्माण में आने वाली बाधा के साथ-साथ मेट्रो की बाधा को भी दूर किया जाए, ताकि बार-बार खुदाई ना करना पड़े। मंत्री के समक्ष 10 साल में निर्माण ना करने वालों की लीज निरस्ती का मामला भी उठा, जिस पर शासन स्तर से आदेश भिजवाने की बात कही गई। वहीं चंदन नगर फ्लायओवर को लेकर भी चर्चा हुई। कुछ समय पूर्व महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस फ्लायओवर का निर्माण प्राधिकरण द्वारा ही करवाए जाने से संबंधित पत्र मंत्री विजयवर्गीय को सौंपा भी था, जिसमें मांग की गई कि चूंकि प्राधिकरण में ही फिजिबिलिटी सर्वे करवाया है और 11 चौराहों के निर्माण में चंदन नगर फ्लायओवर भी शामिल है। प्राधिकरण सूत्रों का कहना है कि गैर योजना मद में इस फ्लायओवर का निर्माण करना होगा। लिहाजा बोर्ड प्रस्ताव मंजूरी के बाद शासन से भी अनुमति लेना पड़ेगी, क्योंकि शासन ने गैर योजना मद के लिए 10 फीसदी तक प्राधिकरण के राजस्व के आधार पर खर्च करने के निर्देश दे रखे हैं। संभवतः अगले हफ्ते होने वाली बोर्ड बैठक में इस फ्लायओवर का प्रस्ताव भी प्राधिकरण द्वारा रखा जाएगा।

एसआईआर के बाद भी कायम है फर्जी मतदाता

दिग्गी राजा ने चुनाव अधिकारी के पास जाकर दिए सबूत

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस ने गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने चुनाव आयोग पहुंच कर शिकायत की कि कुछ घरों में दर्जनों फर्जी मतदाताओं के नाम जुड़े हैं, जबकि कई पुराने मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। उन्होंने मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह कांग्रेस नेताओं और कुछ मतदाताओं के साथ भोपाल स्थित निर्वाचन सदन पहुंचे और मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगाए। दिग्विजय सिंह ने मुख्य चुनाव पदाधिकारी से मुलाकात कर कई मामलों की शिकायत दर्ज कराई। उनका कहना है कि कई घरों में वास्तविक सदस्यों से कहीं ज्यादा मतदाताओं के नाम जुड़े हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि ऐसे मामलों के सबूत और वीडियो रिकॉर्डिंग भी उनके पास मौजूद हैं, जिन्हें जल्द सार्वजनिक किया जाएगा।

1 मकान में 37 मतदाताओं के नाम

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ करोंद क्षेत्र की रतन कॉलोनी के निवासी मोहनलाल साहू भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके घर के पते पर पहले 65 मतदाताओं के नाम दर्ज थे। शिकायत के बाद कुछ नाम हटाए गए, लेकिन अभी भी 37 नाम जुड़े हुए हैं, जिन्हें वे पहचानते तक नहीं हैं। इसी तरह वार्ड नंबर 50 के अनिल सिंह यादव ने बताया कि उनके घर में केवल चार सदस्य रहते हैं, लेकिन मतदाता सूची में 45 नाम दर्ज हैं। वहीं रतन कॉलोनी के ही कमलेन्द्र कुमार गुप्ता ने कहा कि एसआईआर से पहले उनके पते पर 70 फर्जी नाम जुड़े थे। प्रक्रिया के बाद भी उनके आठ सदस्यीय परिवार के अलावा 42 अन्य नाम अभी भी सूची में बने हुए हैं।

नाम काटने के भी आरोप

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने आरोप लगाया कि कुछ जगहों पर लंबे समय से रह रहे लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सूरज नगर निवासी काजिद भाई का उदाहरण देते हुए कहा गया कि उनका परिवार 1980 से यहां रह रहा है, लेकिन उनका नाम सूची से काटने की शिकायत सामने आई है।

सबूत होने का दावा

दिग्विजय सिंह ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में कई अनियमितताएं सामने आई हैं। उनके मुताबिक इन मामलों की वीडियो रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग के अधिकारियों ने उनकी बात सुनी है और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया है। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम आपत्तियों के जरिए हटाए गए हैं, जिनमें अल्पसंख्यक और आदिवासी समुदाय के लोग अधिक शामिल हैं। पार्टी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

संपादकीय...

मेट्रो के संचालन का समयबद्ध कार्यक्रम जरूरी

इंदौर शहर में मेट्रो ट्रेन का संचालन एक मजाक बनकर रह गया है। जिस समय ट्रायल रन किया गया था उस समय पर शहर के लोगों को यह भरोसा दिलाया गया था कि अब जल्द ही मेट्रो ट्रेन के माध्यम से वे एक स्थान से दूसरे स्थान तक जा सकेंगे। यह भरोसा टूट गया है। मेट्रो ट्रेन का गलियारा रेडिएशन होटल चौराहा तक का तैयार है लेकिन अभी संचालन शुरू नहीं हो पाया है। जब इस कॉरिडोर में संचालन शुरू हो जाएगा तब भी वहां पर यात्रियों का कोई बहुत ज्यादा और अच्छा दबाव मेट्रो ट्रेन को नहीं मिल सकेगा। जब तक मेट्रो ट्रेन इंदौर

■ गौरव गुप्ता

शहर के बीच से लेकर दूसरे छोर तक जाने के लिए नहीं चल जाती है तब तक उसका चलना और नहीं चलना एक समान ही है। सरकार के द्वारा जिस तरह से मेट्रो ट्रेन के संचालन की व्यवस्था में ध्यान नहीं दिया जा रहा है उससे इंदौर शहर को लोक परिवहन का एक बड़ा माध्यम नहीं मिल पा रहा है। अब जरूरी है कि इस ट्रेन के संचालन के लिए समयबद्ध कार्यक्रम तय किया जाएं। उसके हिसाब से ट्रेन का संचालन सुनिश्चित किया जाएं। जिन स्थानों पर अभी ट्रैक बिछाने का काम नहीं हो सका है वहां भी समय सीमा के अंदर ट्रैक बिछाने का काम किया जाएं।

तीन प्रकार के फाइबर युक्त बीज जो आंतों के लिए अच्छे होते हैं

डॉक्टर आरती मेहरा ने बताया कि पेट फूलना, कब्ज, मुंहासे और लगातार थकान जैसी समस्याएं आंतों में अत्यधिक भार के कारण हो सकती हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि केवल तीन प्रकार के बीज प्राकृतिक रूप से आंतों को साफ करने, पेरिस्टालसिस को उत्तेजित करने और लाभकारी बैक्टीरिया को प्रभावी ढंग से पोषण देने में मदद कर सकते हैं।

1. चिया बीज
2. अलसी के बीज
3. तुलसी के बीज

1. चिया बीज

अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. सौरभ सेठी के अनुसार, चिया सीड्स एक अच्छा खाद्य पदार्थ है जो आंतों को साफ करने और पाचन तंत्र को सुचारू रूप से कार्य करने में मदद करता है। इसका कारण यह है-

चिया सीड्स फाइबर से भरपूर होते हैं- सिर्फ दो चम्मच चिया सीड्स में लगभग 10 ग्राम फाइबर होता है। नियमित मल त्याग और कब्ज से बचाव के लिए फाइबर बहुत जरूरी है। फाइबर प्रीबायोटिक के रूप में भी काम करता है, आंत में मौजूद लाभकारी बैक्टीरिया को पोषण देता है और स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम को बढ़ावा देता है।

डॉ. आरती मेहरा
आहार एवं पोषण विशेषज्ञ
7999788456

पाचन स्वास्थ्य में सहायक- चिया सीड्स को पानी में भिगोने पर जो जेल जैसा पदार्थ बनता है, वह पाचन तंत्र को आराम पहुंचाने में मदद कर सकता है। यह जेल एक प्राकृतिक लुब्रिकेंट की तरह काम करता है, जिससे भोजन आंतों में आसानी से आगे बढ़ता है और पेट की सूजन को कम करने में भी सहायक हो सकता है, जो इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) जैसी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद है।

पेट फूलने से राहत- चिया के बीज आंतों में मौजूद अतिरिक्त पानी को सोखकर पाचन क्रिया को नियंत्रित करने और पेट फूलने से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इससे मल नरम हो जाता है और पाचन क्रिया आसान हो जाती है।

चिया सीड्स खाने से पहले एक बात का ध्यान रखना जरूरी है कि इन्हें कभी भी सूखा न खाएं; इन्हें कम से कम 15 से 20 मिनट तक भिगोना चाहिए। चिया सीड्स खाने का सबसे अच्छा तरीका है इन्हें रात भर भिगोकर रखना और फिर बादाम के दूध या दही में मिलाकर उसमें बेरीज मिला लेना, जिससे यह एक हेल्दी स्नैक बन जाता है।

चिया के बीजों को पानी में भिगोने पर एक जेल बनता है जो रेचक के रूप में काम करता है और कब्ज से राहत दिलाता है।

2. अलसी के बीज

अलसी में एक विशेष प्रकार का फाइबर होता है जो मल को नरम कर सकता है और प्राकृतिक रेचक के रूप में कार्य करके कब्ज से राहत दिलाने में सहायक होता है। इसके अलावा, यह फाइबर आंतों की परत को सहारा और सुरक्षा प्रदान करता है, आंतों की म्यूकोसा को आराम देता है और जलन को कम करता है।

अलसी के बीज के 7 रोचक फैक्ट्स

1. असली के बीज प्रोटीन का पावरहाउस कहे जाते हैं।
2. अलसी में चिया सीड्स से ज्यादा फाइबर होता है।
3. अलसी के बीज को वेट लॉस वंडर भी कहते हैं।
4. बेकिंग के लिए यह अंडे का बेस्ट सब्स्टीट्यूट है।
5. शाकाहारियों के लिए ओमेगा-3 का बेस्ट सोर्स है।
6. डायबिटिक लोगों के लिए यह वरदान है।
7. इससे मीठी-नमकीन, दोनों तरह की चीजें बना सकते हैं।

अलसी के बीज स्वस्थ ओमेगा-3 फैटी एसिड, विशेष रूप से एएलए (अल्फा-लिनोलेनिक एसिड) से भरपूर होते हैं, जिसमें सूजन-रोधी गुण होते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि मानव शरीर साबुत अलसी के बीजों से कई पोषक तत्वों को अवशोषित नहीं कर पाता है। इसलिए, अलसी के बीजों को सेवन से पहले पीस लेना चाहिए।

3. तुलसी के बीज

पाचन तंत्र पर उनका सकारात्मक प्रभाव है। भिगोने पर, बीज पानी सोख लेते हैं और फूल जाते हैं, जिससे एक हल्का जेल बनता है जो मल त्याग को सुगम बनाने और कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है। यह प्राकृतिक प्रभाव आंतों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और माइक्रोबायोम को सहारा देने में मदद करता है, क्योंकि बीजों में मौजूद घुलनशील फाइबर- आंतों में लाभकारी बैक्टीरिया के लिए पोषक तत्व प्रदान करता है।

पाचन क्रिया को बेहतर बना सकता है, आंतों को साफ कर सकता है, पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ा सकता है और समग्र पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है। डॉ. आरती मेहरा इस बात पर जोर देती हैं कि तुलसी के बीजों को दूध या दही में भिगोकर आहार में शामिल करे।

अलसी और तुलसी के बीज के प्रमुख फायदे

पाचन और कब्ज में राहत- दोनों बीजों में उच्च मात्रा में फाइबर होता है, जो पेट को साफ करता है, कब्ज दूर करता है और आंतों के स्वास्थ्य को सुधारता है।

वजन घटाने में सहायक- तुलसी के बीज (सब्जा) पेट को लंबे समय तक भरा रखते हैं, जिससे भूख कम लगती है। अलसी में मौजूद फाइबर भी एक्स्ट्रा फैट को कम करने में मदद करता है।

हृदय स्वास्थ्य- अलसी ओमेगा-3 फैटी एसिड और लिग्नन्स का बेहतरीन स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करके हृदय रोगों से रक्षा करता है।

ब्लड शुगर नियंत्रण- ये बीज टाइप-2 मधुमेह वाले लोगों के लिए फायदेमंद हो सकते हैं, क्योंकि ये रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने में सहायक हैं।

इम्यूनिटी और सूजन में कमी- तुलसी के बीज एंटीऑक्सीडेंट और खनिजों (जैसे आयरन, मैग्नीशियम) से भरपूर होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

त्वचा और बालों के लिए- ओमेगा-3 और एंटीऑक्सीडेंट के कारण ये बालों को मजबूत और त्वचा को स्वस्थ रखने में सहायक हैं।

सेवन करने का तरीका

अलसी- भुनी हुई अलसी को पीसकर पाउडर के रूप में दही, सलाद, या स्मूदी में मिलाकर रोजाना 1-2 चम्मच लें।

तुलसी के बीज (सब्जा)- इन्हें 15-20 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रखें, जब ये फूल जाएं तो इन्हें पानी, नींबू पानी, या शर्बत में मिलाकर पिएं।

जजों को सही फैसला लेना चाहिए, भले ही इससे उन्हें प्रमोशन नहीं मिले - न्यायमूर्ति नागरत्ना

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि जजों को सही फैसला लेने में हिचकिचाना नहीं चाहिए, भले ही इससे उन्हें प्रमोशन मिलना बंद हो जाए या सत्ता में बैठे लोग नाराज हो जाएं। उन्होंने कहा कि ज्यूडिशियल रिव्यू के सही इस्तेमाल के लिए हिम्मत और पक्का यकीन बहुत ज़रूरी है।

जजों को शायद पता हो कि कोई नापसंद फैसला उनके प्रमोशन, एक्सटेंशन की संभावनाओं पर असर डाल सकता है, या उन्हें सत्ता में बैठे लोगों की बुरी नजर में डाल सकता है। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान जो मांग करता, उसे करने में जागरूकता कभी भी रुकावट नहीं बननी चाहिए। उन्होंने बताया कि पद की शपथ एक जज का न्यायिक धर्म है। इसका सम्मान किया जाना चाहिए, चाहे इसके निजी या पेशेवर नतीजे कुछ भी हों। अगर फैसले करियर के नतीजों की आशंका से लिए जाते हैं तो ज्यूडिशियल रिव्यू के असल होने के बजाय सिंबॉलिक होने का खतरा है।

मतलब सिर्फ संवैधानिक सुरक्षा उपायों या इंस्टीट्यूशनल डिजाइन से नहीं, बल्कि इस बात से निकलता है कि जज अपने पद का काम कैसे करते हैं। इसके दो अलग-अलग लेकिन आपस में जुड़े हुए पहलू हैं। उन्होंने कहा, पहला है बाहरी असर से आजादी। एक जज को पॉलिटिकल प्रेशर, इंस्टीट्यूशनल धमकी या पॉपुलर डिमांड से आजाद होना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने आगे कहा कि इसमें जज का असहमति ज़ाहिर करने का अधिकार भी शामिल है।

दूसरा, और ज़्यादा बारीकी से आजादी ज्यूडिशियल इंस्टीट्यूशन के अंदर भी काम करती है। ज्यूडिशियल आजादी सिर्फ पॉलिटिकल ब्रांच से अलग होने तक ही खत्म नहीं होती। इसके लिए यह भी जरूरी है कि हर जज कानून के बारे में अपनी सोच बनाने और उसे ज़ाहिर करने के लिए आजाद हो, भले ही वह सोच उसके साथियों से अलग हो। अलग और अलग राय इंटेलेक्चुअल ऑटोनॉमी की पहचान हैं। यह ज्यूडिशियरी की आजादी का सबसे समझदार रूप है। उन्होंने आगे कहा, एक ज्यूडिशियल राय कोई नेगोशिएशन डॉक्यूमेंट नहीं है; यह कॉन्स्टिट्यूशनल यकीन की बात है। अगर कानून, जैसा कि हम समझते हैं, क्लैरिटी - यहां तक कि साफ-साफ की जरूरत है, तो आम सहमति के लिए उसे कमजोर करना एक तरह का समझौता है जिसे हमें करने को तैयार नहीं होना चाहिए।

संजय मेहरा
हाईकोर्ट एडवोकेट
98270 74132

जस्टिस नागरत्ना ट्रांसफॉर्मेटिव कॉन्स्टिट्यूशनलिज़्म और बेसिक स्ट्रक्चर डॉक्ट्रिन टॉपिक पर लेक्चर दे रही थी। उन्होंने तर्क दिया कि ये दोनों कॉन्स्टिट्यूशनल आइडिया आखिरकार एक ऐसी ज्यूडिशियरी पर निर्भर करते हैं, जो आजादी से और बिना डरे काम करने को तैयार हो।

न्यायपालिका में निर्भीक और निष्पक्ष निर्णय की आवश्यकता

लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक और नागरिकों के अधिकारों का अंतिम प्रहरी माना जाता है। न्यायालय से समाज को यह अपेक्षा रहती है कि वह बिना किसी भय, दबाव या स्वार्थ के केवल कानून और न्याय के आधार पर निर्णय दे। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि न्यायाधीश निर्भीक होकर, बिना किसी बाहरी प्रभाव और पदोन्नति की चिंता के अपने निर्णय दें।

न्यायाधीश का पद केवल एक प्रशासनिक पद नहीं, बल्कि एक नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। जब कोई न्यायाधीश किसी प्रकरण का निर्णय करता है, तो उसके सामने केवल पक्षकार ही नहीं होते, बल्कि न्याय और सत्य की रक्षा का दायित्व भी होता है। यदि न्यायाधीश पदोन्नति, स्थानांतरण, आलोचना या किसी प्रकार के दबाव के भय से प्रभावित होकर निर्णय देने लगे, तो न्यायपालिका की स्वतंत्रता और जनता का विश्वास दोनों कमजोर पड़ जाते हैं।

भारत के संविधान ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लोकतंत्र की मूल आधारशिला माना है। न्यायाधीशों को सुरक्षा, सम्मान और स्वतंत्र कार्य वातावरण इसलिए दिया गया है ताकि वे बिना किसी भय के न्याय कर सकें। एक आदर्श न्यायाधीश वही है जो केवल साक्ष्यों, कानून और अपने न्यायिक विवेक के आधार पर निर्णय करे।

निर्भीक न्यायिक निर्णय समाज में कानून के शासन (Rule of Law) को मजबूत करते हैं। जब जनता को यह विश्वास होता है कि न्यायालय बिना किसी दबाव के निष्पक्ष निर्णय देता है, तब न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बढ़ती है और लोकतंत्र सशक्त होता है। इसके विपरीत यदि न्याय में भय या पक्षपात दिखाई दे, तो समाज में असंतोष और अविश्वास बढ़ सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि न्यायाधीश अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और साहस के साथ करें। उन्हें यह स्मरण रखना चाहिए कि उनका पहला दायित्व न्याय और संविधान के प्रति है, न कि किसी पद, व्यक्ति या संस्था के प्रति। निर्भीक, निष्पक्ष और ईमानदार न्याय ही एक सशक्त और स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है।

अंततः न्यायपालिका की वास्तविक शक्ति उसके निर्णयों की निष्पक्षता और निर्भीकता में निहित है। जब न्यायाधीश बिना किसी भय, दबाव या पदोन्नति की अपेक्षा के केवल न्याय के आधार पर निर्णय देते हैं, तभी न्यायपालिका अपनी गरिमा और जनता के विश्वास को बनाए रख सकती है।

पेट्रोल - डीजल की कमी की अफवाह

अमेरिका-इजराइल-ईरान तनाव के बीच सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों से मध्यप्रदेश में अलग-अलग जगहों पर कई पेट्रोल पंपों पर भीड़ जुटने की खबरे आ रही है। हालांकि पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने साफ किया है कि प्रदेश में दो से तीन माह का पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक है।

मध्य प्रदेश पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार, मध्य प्रदेश में रोजाना पेट्रोल की खपत करीब 1200 मीट्रिक टन और डीजल की खपत करीब 1600 मीट्रिक टन है। कंपनियां हर साल की खपत के हिसाब से स्टॉक रखती हैं और आमतौर पर पिछले वर्ष की तुलना में 8 से 10 प्रतिशत अधिक आपूर्ति की योजना बनाकर चलती हैं। पेट्रोल पंपों पर करीब 4-5 दिन का, डिपो में लगभग 8 दिन का और पाइपलाइन में करीब 10 दिन का स्टॉक उपलब्ध रहता है। इसके अलावा टर्मिनल में लगभग एक महीने का भंडार रहता है और रिफाइनरी स्तर पर भी करीब 30 दिन का अतिरिक्त स्टॉक मौजूद रहता है।यदि इजरायल-ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से ईंधन प्रवाह बाधित रहता है, तो उपयोग के आधार पर मध्य प्रदेश में ईंधन भंडार 60 से 90 दिनों तक चल सकता है। मध्य प्रदेश में 3,700 पेट्रोल पंप हैं।

एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा है कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। डिपो में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और अगले तीन से चार महीने तक बिना किसी बाधा के आपूर्ति की जा सकती है। कंपनियां हर साल की खपत के हिसाब से स्टॉक रखती हैं। उन्होंने बताया कि यदि लोग अफवाहों के कारण अचानक ज्यादा मात्रा में ईंधन लेने लगें तो अस्थायी दबाव बन सकता है, लेकिन सामान्य स्थिति में सप्लाई की पूरी व्यवस्था रहती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें, प्रदेश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है।

सरकार की नजर

बता दें कि अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए राज्य सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की समीक्षा की है। मंत्रालय में आयोजित बैठक में अपर मुख्य सचिव खाद्य रश्मि अरुण शमी ने ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के स्टॉक की स्थिति पर चर्चा की। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान खपत के अनुसार पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के निर्देश भी दिए हैं।

उड़ीसा में 4 राज्यसभा सीटों के लिए 5 उम्मीदवार

ओडिशा में राज्यसभा चुनाव की नामांकन वापसी शांतिपूर्ण रही, क्योंकि किसी भी उम्मीदवार ने नाम वापस नहीं लिया। 4 सीटों के लिए 5 उम्मीदवार सीधे मुकाबले में हैं। भाजपा ने मनमोहन समाल और सुजीत कुमार, बीजेडी ने संत्रुप्त मिश्रा और दत्तेश्वर होटा और स्वतंत्र उम्मीदवार दिलीप रे मैदान में हैं।

ओडिशा में सोमवार को राज्यसभा चुनाव की नामांकन वापसी की आखिरी तारीख शांतिपूर्ण रही, क्योंकि किसी भी उम्मीदवार ने नाम वापस नहीं लिया। इस वजह से 4 सीटों के लिए 5 उम्मीदवार सीधे मुकाबले में हैं। ओडिशा में 12 साल बाद यह पहली बार है जब राज्य की विधानसभा में इसके लिए वोटिंग होगी। मतदान 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और मतगणना उसी दिन शाम 5 बजे। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद 20 मार्च तक है, जिससे राजनीतिक पटल पर बहस और सियासी रणनीतियों की भूमिका अहम बनेगी।

ओडिशा विधानसभा में कुल 147 सदस्य हैं। वर्तमान संख्या के हिसाब से भाजपा के पास 79 विधायक और 3 स्वतंत्र समर्थक है, जिसके बाद पार्टी की दो सीट लगभग पक्की मानी जा रही है। वहीं बात अगर बीजेडी की करें तो पार्टी के पास 48 विधायक है, जिससे एक सीट की उम्मीद ज्यादा है। ऐसे में चौथी सीट के लिए मुकाबला लगभग-लगभग तय माना जा रहा है। गौर करने वाली बात यह है कि भाजपा ने अपने दो उम्मीदवारों के अलावा स्वतंत्र उम्मीदवार दिलीप रे को भी समर्थन दिया है, जबकि कांग्रेस और सीपीआई (एम) ने होटा का समर्थन किया है।

तीन विधायकों का चुनाव पहले भी हो चुका है शून्य

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

प्रदेश की विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव अदालत ने निरस्त कर दिया है। इससे पहले भी प्रदेश में तीन विधायकों की सदस्यता पर न्यायालयीन कार्रवाई हो चुकी है, जिनमें दो की विधायकी समाप्त हुई थी जबकि एक को राहत मिली थी।

विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव निरस्त हो गया है। मल्होत्रा से पहले भी प्रदेश में तीन विधायकों के चुनाव/ विस सदस्यता पर न्यायालयीन कार्रवाई हो चुकी है। इनमें से एक को राहत मिली, जबकि दो की विधायकी चली गई थी। प्रदेश में मुकेश मल्होत्रा से पहले तीन विधायकों की सदस्यता को कोर्ट शून्य घोषित कर चुकी है। ये तीनों ही भाजपा की सीट पर विधायक चुने गए थे।

बिजावर से वर्ष 2008 में भाजपा की सीट पर विधायक बनीं आशारानी को वर्ष 2013 में आपराधिक मामले में सजा सुनाई गई थी। सजा के बाद जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत उनकी विधायकी स्वतः समाप्त हो गई थी। उन्हें मध्य प्रदेश में सजा के कारण अयोग्य घोषित होने वाली पहली महिला विधायक भी माना जाता है।

नीना वर्मा का चुनाव रद्द हुआ था

इसके साथ ही वर्ष 2008 और वर्ष 2013 के चुनाव में दो बार धार से विधायक नीना वर्मा का चुनाव रद्द हुआ था। पहली बार में रिकाउंटिंग में एक वोट से जीतने के खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके बाद 2012 में चुनाव को शून्य घोषित कर दिया था। इसके बाद दूसरी बार 2017 में चुनाव में फार्म में पूरी जानकारी नहीं भरने के कारण उनका चुनाव शून्य घोषित किया गया था। अदालत ने माना था कि चुनाव प्रक्रिया में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के नियमों का पालन नहीं किया गया था, इसलिए उनका निर्वाचन शून्य घोषित किया गया। यह याचिका कांग्रेस प्रत्याशी ने दायर की थी। हालांकि, बाद में नीना वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की, जहां उन्हें प्रारंभिक राहत मिली थी, लेकिन वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए 2013 का चुनाव शून्य माना।

लोधी को मिली थी राहत

वहीं, वर्ष 2022 में टीकमगढ़ जिले की खरगापुर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक राहुल सिंह लोधी का चुनाव भी मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने शून्य घोषित कर दिया था। कांग्रेस प्रत्याशी चंदा सिंह गौर ने उनके खिलाफ याचिका दायर की थी। आरोप था कि लोधी ने एक निजी कंपनी में अपनी साझेदारी की जानकारी छिपाई थी, जो सरकारी कार्यों से जुड़ी थी। अदालत ने उन्हें विधायक के रूप में मिलने वाले लाभों पर रोक लगा दी थी। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट से उन्हें स्टे मिलने पर राहत मिल गई थी।

कांग्रेस के पास अब 63 विधायक

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में कुल 230 सीटों में से कांग्रेस ने 66 सीटों पर जीत दर्ज की थीं। इसके बाद लोकसभा चुनाव के दौरान छिंदवाड़ा जिले की अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित अमरवाड़ा सीट से कांग्रेस विधायक कमलेश्वर शाह भाजपा में शामिल हो गए थे। बाद में हुए उपचुनाव में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की। वहीं, विजयपुर सीट से कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत ने भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले ली थी। भाजपा ने उन्हें मंत्री भी बनाया था, लेकिन उपचुनाव में रावत को कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा के सामने हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, बीना सीट से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे ने भी एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाजपा की सदस्यता ले ली थी, हालांकि उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया। इस मामले में उनकी सदस्यता को लेकर विवाद न्यायालय में लंबित है और कांग्रेस इस सीट पर उपचुनाव की मांग कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे- सिंघार

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अदालत के फैसले का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि कानूनी सलाह लेने के बाद इस निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की जाएगी। सिंघार ने कहा कि विजयपुर की जनता ने कांग्रेस को अपना जनादेश दिया है और पार्टी को उम्मीद है कि सर्वोच्च न्यायालय से न्याय मिलेगा।

भाजपा आदिवासी नेतृत्व को कमजोर कर रही- पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा एक आदिवासी विधायक को पदमुक्त करवाकर हारे हुए प्रत्याशी को विधायक घोषित करवाने का काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आदिवासी और दलित नेतृत्व को कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

अब बड़नगर भी इंदौर उज्जैन मेट्रोपॉलिटन में शामिल

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन जिले का बड़नगर भी विकास में कभी पीछे नहीं रहेगा। हमारा बड़नगर अब इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन एरिया का भाग बनेगा। बड़नगर पर बाबा महाकाल सहित चंबल, शिप्रा और गंभीर नदियों का भी आशीर्वाद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात नायीखेड़ी-नागदा-रतलाम मार्ग की स्वीकृति प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट करने मुख्यमंत्री निवास पहुंचे बड़नगर विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बड़नगरवासियों ने साफा और बड़ी माला पहनाकर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद से उज्जैन और बड़नगर अब तीन प्रमुख मार्गों के माध्यम से रतलाम से जुड़ गया है।

इस सप्ताह आपके सितारे
4 मार्च 2026 से 10 मार्च 2026

किसी का मानसिक तनाव कम होगा तो किसी को मिलेगा वाहन सुख

मेष : इस सप्ताह कारोबार अच्छा रहेगा। नौकरी पेशा लोग भी संतुष्ट रहेंगे। जीवनसाथी उत्तम सहयोग करेगा। प्रेम संबंध सुधरेंगे। किसी कार्य के विलम्ब होने से कष्ट होगा। वाहन सुख मध्यम रहेगा। परिवार में वातावरण अच्छा रहेगा रहेगा।

वृषभ : किसी व्यक्ति का अचानक सहयोग मिलेगा। वाहन सुख उत्तम। भूमि-भवन संबंधों कोई कार्य होगा। शरीर स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। प्रेम-संबंधों में धनात्मकता परिलक्षित होगी। आवक अच्छी रहेगी, व्यय कम होंगे। परिवार में खुशी का अच्छा वातावरण रहेगा। 16 विशेष शुभ

मिथुन : इस सप्ताह शत्रु पीडित करेंगे बेवजह के विवादों से बचें। व्यय-अधिक होगा। आवक ठीक-ठीक रहेगी। कारोबार में संतुष्टि रहेगी। जीवन साथी का व्यवहार भौर स्वास्थ्य ठीक रहेगा। प्रेम-संबंधों में सावधानी रखें। संतानपक्ष कुछ चिंता दे सकता है। यात्रा टालें। दिनांक 14 सावधान रहें।

कर्क : शरीर स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह शुभ फलदायी है। भाई-बहनों का व्यवहार ठीक रहेगा। किसी कार्य के हो जाने से हर्ष होगा। संतान भाव अल्प कष्ट कारक रह सकता है। पैसे का व्यवहार सावधानी से करें। कारोबार की दृष्टि से सरह ठीक है। आवक होगी किन्तु व्यय भी होगा।

सिंह : कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह श्रेष्ठ है। आवक में वृद्धि होगी। कई दिनों से लंबित कार्य होगा। व्यय कम होने से बचत होगी। संतान पक्ष से कुछ कष्ट हो सकता है। जीवन साथी का स्वास्थ्य और व्यवहार मध्यम रहेगा। रोमांस के लिए समय मध्यम है। माता को कष्ट होगा।

कन्या : स्वयं के शरीर स्वास्थ्य की दृष्टि से यह सप्ताह ठीक नहीं है, अतः स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कार्य क्षेत्र में धनात्मकता दिखाई देगी। संतान संबंधी चिंता दूर होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं सहयोग उत्तम रहेगा। प्रेमसंबंध फले फूलेंगे।

तुला : मान प्रतिष्ठा एवं कारोबार की दृष्टि यह समय उत्तम है। अचानक किसी कार्य के सम्पन्न होने के योग हैं। संतान पक्ष कुछ कष्ट दे सकता है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रेम-संबंध मध्यम रहेंगे। वाहन सुख उत्तम है। कोई विवाद हल होगा।

वृश्चिक : शरीर स्वास्थ्य की दृष्टि से यह सप्ताह अनुकूल है। मानसिक तनाव कम होंगे। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। जीवनसाथी को कष्ट हो सकता है। प्रेम-संबंधों में खटास आ सकती है। संतान पक्ष धनात्मक रहेगा। आय अच्छी होगी। कारोबार धनात्मक रहेगा।

धनु : इस सप्ताह आप विशेष रूप से सावधानी से चलावें। जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं सहयोग उत्तम रहेगा। प्रेम-संबंधों में सुधार होगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। परिजनों का सहयोग अच्छा मिलेगा। व्यय अधिक होंगे। संतानपक्ष से कुछ कष्ट संभव है। कार्य क्षेत्र प्रतिकूल घटना संभव है।

मकर : इस सप्ताह मानसिक प्रफुल्लता रहेगी। दूरस्थ शुभ समाचार प्राप्त होगा। कारोबार में उन्नति होगी। संतान पक्ष अवश्य पीड़ा देगा प्रेम संबंधों में धनात्मकता दिखाई देगी। जीवनसाथी का सहयोग अच्छा रहेगा। लाभ के नवीन आयाम दिखाई देंगे। वाहन में सुधार अथवा भूमि संबंधी कार्य होगा।

कुम्भ : इस सप्ताह स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। मानसिक तनाव में वृद्धि हो सकती है। कारोबार मध्यम रहेगा। मित्रों का वांछित सहयोग नहीं मिलेगा। शत्रु सिर उठा सकते हैं। लाभ सीमित होंगे। व्यय ज्यादा होगा। माता का स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। किसी होने वाले कार्य में बाधा उत्पन्न होगी। संतान संबंधी कोई कार्य पक्ष में होगा।

मीन : इस सप्ताह कोई रुके हुए कार्य के होने से खुशी होगी। तनावों में कमी आएगी। भूमि वाहन संबंधी कोई कार्य होगा। शरीर स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यय अधिक होंगे। किसी को कुछ धन उधार भी देना पड़ सकता है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहेगा। प्रेम संबंध पीड़ित कर सकते हैं। संतान पक्ष धनात्मक रहेगा।

श्रीमान उमेश पांडे
ज्योतिष एवं वास्तुविद
महात्मा गांधी मार्ग, मल्हारगंज, इंदौर (म.प्र.)
मो. 8602912030

इस सप्ताह की ग्रह स्थितियां

■ सूर्य - कुंभ ■ चंद्र- वृषभ से सिंह ■ मंगल- कुंभ
■ बुध - कुंभ वक्री ■ गुरु ■ मिथुन वक्री ■ शुक्र - कुंभ दो से मीन में
■ शनि - मीन ■ राहु - कुंभ ■ केतु - सिंह

शिवराज ने शुरू की मामा कोचिंग

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को अपना जन्मदिन 'प्रेम और सेवा संकल्प दिवस' के रूप में मनाते हुए पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और जनसेवा से जुड़े पांच बड़े संकल्प लिए। इस मौके पर उन्होंने गरीब विद्यार्थियों के लिए मुफ्त मामा कोचिंग क्लासेस, चलित अस्पताल और पौधरोपण जैसे अभियान शुरू करने की घोषणा की।

चौहान ने गुरुवार को अपना जन्मदिन प्रेम और सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए निशुल्क मामा कोचिंग क्लासेस शुरू करने समेत पर्यावरण संरक्षण और जनसेवा से जुड़े कई बड़े संकल्प लिए। राजधानी भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क में परिवार के साथ पौधरोपण कर शिवराज ने लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। साथ ही अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा में युवाओं, छात्रों, ग्रामीणों और दिव्यांगजनों के लिए कई नई पहल शुरू करने की घोषणा की। शिवराज सिंह चौहान ने अपने जन्मदिन पर लोगों से अपील की कि वे फूल-मालाओं और होर्डिंग्स की जगह पौधे लगाकर प्रकृति की सेवा करें। उन्होंने उपहार नहीं, उपकार का संदेश देते हुए हर व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाने का आग्रह किया। उनके इस आह्वान पर हजारों लोगों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में पौधे लगाए और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

चौहान ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं और धरती पर जीवन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि पेड़ न केवल मनुष्यों बल्कि पक्षियों और अन्य जीवों के लिए भी सहारा होते हैं। पेड़ वर्षा को आकर्षित करते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण को संतुलित रखने में मदद करते हैं।

उन्होंने विदिशा में एक कार्यक्रम में अपने माता-पिता की स्मृति में प्रेम-सुंदर प्रतिभा सम्मान शुरू करने की घोषणा भी की। इस योजना के तहत विदिशा लोकसभा क्षेत्र की आठों विधानसभा क्षेत्रों में 10 वीं और 12 वीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। टॉप करने वाले छात्रों को 51 हजार, 31 हजार और 21 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी, ताकि उन्हें आगे पढ़ने और बेहतर करने की प्रेरणा मिल सके। युवाओं के लिए उन्होंने मामा कोचिंग क्लासेस शुरू करने का भी ऐलान किया। इन कोचिंग क्लासेस में आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों को बैंकिंग, एसएससी, एमपीपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त तैयारी कराई जाएगी। इसकी शुरुआत विदिशा, रायसेन और भैरूंदा से की जा रही है। यहां छात्रों को अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और जरूरी अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

राहुल बोले - यूथ कांग्रेस वालों ने कर दिया काम

दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विवादित प्रदर्शन ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। भाजपा मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी को सीधे निशाने पर लिया।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से राहुल गांधी पर हमला बोला। मालवीय ने कांग्रेस नेता और उनके नेतृत्व में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित AI समिट को बाधित करने और नग्न प्रदर्शन करने की घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी बड़े गर्व से कह रहे हैं कि कर दिया काम यूथ कांग्रेस वालों ने जबकि असल में इस प्रदर्शन ने पूरी दुनिया के सामने भारत की छवि को नुकसान पहुंचाया।

उन्होंने लिखा जब दुनिया भर के शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और इनोवेटर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य पर चर्चा कर रहे थे, तब कांग्रेस पार्टी को लगा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का सबसे अच्छा तरीका अराजकता और अशोभनीय प्रदर्शन है।

विडंबना यह है कि जिस जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस अपना वैचारिक स्तंभ मानती है, उन्होंने कभी राष्ट्रीय चरित्र और निष्ठा को लेकर बिल्कुल अलग दृष्टिकोण रखा था। 1950 के दशक में, जब महाराजा यशवंतराव होलकर द्वितीय के निधन के बाद इंदौर की गद्दी के उत्तराधिकार का सवाल उठा, तब यह मुद्दा सामने आया कि क्या उनकी अमेरिकी पत्नी से जन्मे बेटे रिचर्ड होलकर को होलकर वंश की विरासत मिलनी चाहिए। उस समय की सरकार, जिसमें राजेंद्र प्रसाद और सरदार वल्लभभाई पटेल भी शामिल थे, के साथ विचार-विमर्श के बाद नेहरू ने स्पष्ट मत रखा, उत्तराधिकारी वही होना चाहिए जो भारतीय मां से जन्मा हो। यह फैसला एक नए आजाद देश की भावना को दर्शाता था कि वंश, निष्ठा और सभ्यतागत जुड़ाव मायने रखते हैं। आखिरकार सरकार ने महाराजा की भारतीय पत्नी से जन्मी बेटी राजकुमारी उषा देवी राजे साहिब होलकर को होलकर वंश की वैध उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता दी। बाद में नेहरू ने खुद लिखा कि उनकी मान्यता इसलिए हुई क्योंकि वह जन्म से ही होलकर वंश का हिस्सा थीं। यह उदाहरण साफ बताता है कि राष्ट्रीय पहचान और निष्ठा कोई अमूर्त विचार नहीं हैं, वे मूल और जुड़ाव से गहराई से जुड़े होते हैं। यहीं से सवाल राहुल गांधी और कांग्रेस से भी उठता है। अगर खुद जवाहरलाल नेहरू मानते थे कि विदेशी मूल से जन्मा व्यक्ति देश की जिम्मेदारी उठाने के योग्य नहीं माना जा सकता, तो कांग्रेस को नेहरू की ही बात समझने में दिक्कत क्यों है? शायद यही वजह है कि आज वे देश की गरिमा की रक्षा करने के बजाय, दुनिया के सामने भारत को शर्मिंदा करने वाले प्रदर्शनों पर गर्व कर रहे हैं।

क्या है मामला?

गौरतलब है कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हाई-प्रोफाइल इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अंदर घुसकर विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने बेरोजगारी, महंगाई और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों ने समिट स्थल के भीतर अपनी शर्ट उतारकर इंडिया एआई समिट के डिस्प्ले बोर्ड के सामने नारे लगाए और तस्वीरें खिंचवाईं। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और परिसर से बाहर ले जाया गया, ताकि अंतरराष्ट्रीय आयोजन में कोई व्यवधान न हो।

इस समिट में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और विदेशी प्रतिनिधिमंडल शामिल थे, जिसके चलते घटना ने राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया पैदा की। सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं ने इसे वैश्विक मंच पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश बताया, जबकि विपक्षी नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक विरोध का अधिकार करार दिया। यूथ कांग्रेस के सोशल मीडिया पोस्ट और विरोध प्रदर्शन के बाद देश में तकनीक, राजनीति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बहस तेज हो गई है।

20000 लोगों को राहत देकर 400 करोड़ कमाएगा ida

प्राधिकरण के संचालक मंडल की बैठक में रखा जाएगा प्रस्ताव
सभी ग्रह निर्माण सहकारी संस्थाओं के प्लांट हो सकेंगे फ्री होल्ड

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा शहर के 20000 नागरिकों को राहत देने का रास्ता खोला जा रहा है। प्राधिकरण के संचालक मंडल की आने वाले दिनों में होने वाली बैठक में गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के प्लाट फ्री होल्ड करने का फैसला लिया जाएगा। इस फैसले की क्रियान्वयन से प्राधिकरण को 400 करोड रुपए की कमाई होगी।

कार्यक्रम के द्वारा अब तक तो खुद के द्वारा आवंटित किए गए भूखंड और भवन को फ्री होल्ड करने का काम किया जा रहा है। कोई भी नागरिक जिसके नाम पर भवन का आवंटन किया गया है वह आवेदन करके अपने प्लाट को एक निश्चित फीस जमा करते हुए फ्री होल्ड करवा सकता है। सरकार के द्वारा लागू की गई इस योजना का लाभ प्राधिकरण से संपत्ति प्राप्त करने वाले बहुत सारे परिवारों के द्वारा उठाया गया है। बहुत से लोग अभी भी अपनी संपत्ति को फ्री होल्ड करने के लिए कार्रवाई करते हुए नजर आते हैं।

ऐसे बहुत सारे लोग हैं जो की अलग-अलग गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के सदस्य थे और उनके नाम पर प्लांट का आवंटन इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा किया गया। दरअसल इस संस्था की जमीन जहां पर थी वहां पर प्राधिकरण के द्वारा नई योजना घोषित करके लागू कर दी गई। ऐसे में नियम के अनुसार प्राधिकरण को गृह निर्माण सहकारी संस्था की जमीन को अपनी योजना से मुक्त करना पड़ता है। प्राधिकरण के द्वारा इस जमीन को अपनी योजना से मुक्त करने के स्थान पर योजना में शामिल रखते हुए ही उक्त गृह निर्माण सहकारी संस्था के सदस्यों के हितों की रक्षा की जाती है।

ऐसे में प्राधिकरण के द्वारा मुक्त संस्था के साथ संकल्प 9 के तहत एग्रीमेंट कर लिया जाता है। इस एग्रीमेंट के अनुसार संस्था की कुल जमीन में से आदि जमीन को विकसित जमीन के प्लाट के रूप में प्राधिकरण के द्वारा तैयार किया जाता है। उक्त प्लाट का आवंटन इस संस्था के सदस्यों को सहकारिता विभाग के द्वारा भेजी गई सूची के आधार पर किया जाता है। इन सदस्यों से आवंटन के समय पर प्राधिकरण के द्वारा विकास शुल्क के रूप में विकास में खर्च हुई राशि को प्राप्त किया जाता है।

इस तरह से गृह निर्माण संस्थाओं के जो सदस्य प्राधिकरण से प्लांट प्राप्त करते हैं वह भी लीज धारक ही होते हैं। ऐसे हजारों सदस्यों के द्वारा प्राधिकरण के समक्ष आवेदन करते हुए अपनी संपत्ति को भी फ्री होल्ड करवाने की कोशिश की जा रही थी। हमेशा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना रहता है कि गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के प्लांट को फ्री होल्ड करने के बारे में राज्य सरकार की ओर से कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे में इन प्लांट को फ्री होल्ड नहीं किया जाएगा।

झाड़े से जाकर की शिकायत

इस मामले में कुछ गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के सदस्यों के द्वारा पिछले दिनों इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ परीक्षित झाडे से जाकर शिकायत की गई। इस शिकायत को गंभीरता से सुनने के बाद उन्होंने इस बारे में प्राधिकरण के मुख्य संपदा अधिकारी मनीष श्रीवास्तव से चर्चा की। संपदा अधिकारी ने उन्हें बताया कि सरकार के द्वारा इस बारे में स्पष्ट कुछ नहीं कहा गया है लेकिन नियम जो है उसमें एक स्थान पर इस तरह का प्रावधान है जिसके आधार पर हम गृह निर्माण सरकारी संस्थाओं के सदस्यों को दिए गए प्लाट को फ्री होल्ड कर सकते हैं। झाड़े नहीं यह जानकारी मिलने के बाद इस बारे में विधिक राय प्राप्त की। इसके बाद उनके द्वारा यह फैसला लिया गया है कि आने वाले दिनों में होने वाली बैठक में प्रस्ताव मंजूर कर इस प्रक्रिया को शुरू किया जाए। प्राधिकरण से विभिन्न गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के सदस्यों ने 20000 भूखंड प्राप्त किए हैं। इन सभी भूखंड को फ्री होल्ड करने की प्रक्रिया को प्रारंभ किया जाएं। यदि यह भूखंड फ्री होल्ड किए जाते हैं तो शुल्क के रूप में ही प्राधिकरण को कम से कम 400 करोड रुपए की कमाई होगी।

रिकॉर्ड के संधारण से मिलेगी मुक्ति

इतनी बड़ी संख्या में प्लाट को फ्री होल्ड कर दिए जाने से प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों को इन प्लाट का रिकार्ड संधारित करने से मुक्ति मिल सकेगी। अभी वैसे भी प्राधिकरण में अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या तेजी से कम होते जा रही है। इसके बाद भी काम का दबाव बना हुआ है। अब तो प्राधिकरण में काम भी बढ़ते जा रहा है। ऐसे में संपत्तियों के रिकॉर्ड को संधारित करना एक बड़ा और चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। इस कार्य को चलने से भी प्राधिकरण के कर्मचारियों को मुक्ति मिल सकेगी। प्राधिकरण के लिए इतनी ज्यादा संपत्तियों के रिकॉर्ड को संधारित करना मुश्किल होते जा रहा है।

पटवारी के निवास पर मना होली के रंगों का उत्सव

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

रंगपंचमी पर भोपाल में कांग्रेस का होली मिलन समारोह आयोजित हुआ। जीतू पटवारी के आवास पर दिग्विजय सिंह, पीसी शर्मा सहित बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता जुटे और रंग-गुलाल के साथ उत्सव मनाते हुए एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

रंगपंचमी के मौके पर राजधानी भोपाल में कांग्रेस का होली मिलन समारोह सियासी रंग में नजर आया। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में उत्सव और जोश का माहौल देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और रंग-गुलाल के साथ अपने नेताओं का स्वागत किया। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को रंग लगाते हुए भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समारोह में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा भी जीतू पटवारी के आवास पहुंचे और उन्हें रंगपंचमी की बधाई दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रंगों का यह पर्व समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी को होली और रंगपंचमी की शुभकामनाएं दीं। होली मिलन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच अनौपचारिक चर्चा भी हुई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने और जनता के मुद्दों को लेकर सक्रिय रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शहर और प्रदेश स्तर के कई पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

रंगों के इस आयोजन में कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाते, फोटो खिंचवाते और होली के पारंपरिक गीतों के साथ जश्न मनाते नजर आए। पूरे कार्यक्रम के दौरान जीतू पटवारी ने भी कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें रंगपंचमी की शुभकामनाएं दीं और सभी का आभार जताया।

TET पास ना करने पर 1.5 लाख शिक्षकों की नौकरी खतरे में

राइजिंग इंदौर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए अब टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने साफ किया है कि दो साल में परीक्षा पास नहीं करने पर शिक्षकों को नौकरी छोड़नी पड़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद मध्यप्रदेश में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार जो शिक्षक अभी तक TET पास नहीं कर पाए हैं, उन्हें दो वर्ष के भीतर परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। जानकारी के अनुसार इस फैसले से प्रदेश के करीब 1.5 लाख शिक्षक प्रभावित हो सकते हैं। यदि तय समय सीमा के भीतर वे TET परीक्षा पास नहीं कर पाते हैं तो उन्हें सेवा से हटाया जा सकता है या अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना करना पड़ सकता है। निर्देशों के मुताबिक पात्रता परीक्षा जुलाई-अगस्त के बीच आयोजित होने की संभावना है। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के सभी श्रेणी के ऐसे शिक्षक, जिन्होंने पहले TET पास नहीं किया है, उन्हें इस परीक्षा में शामिल होना होगा।

2 वर्ष में परीक्षा पास करना होगी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार जो शिक्षक शिक्षा के अधिकार कानून लागू होने से पहले नियुक्त हुए हैं और जिनकी सेवानिवृत्ति में पांच वर्ष से अधिक समय बाकी है, उन्हें भी दो वर्ष के भीतर TET पास करना अनिवार्य होगा। यदि कोई शिक्षक निर्धारित समय में पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करता है तो उसे सेवा से अलग किया जा सकता है और उसे केवल नियमानुसार मिलने वाले सेवानिवृत्ति लाभ ही मिलेंगे।

प्रकाशक एवं मुद्रक गौरव गुप्ता द्वारा स्वामी अशर्फीलाल विमलादेवी मीडिया सर्विसेस प्रा.लि. के लिए डी. बी. कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 401-402, डी.एम. टॉवर जंजीरवाला चौराहा, इंदौर 452001 से प्रकाशित। संपादक- गौरव गुप्ता, कार्यकारी संपादक-जितेंद्र जाखेटिया*। फोन नंबर-0731-4032200, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2013/52898* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।